



Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W1KG15881	ImageGroup:	I1KG86204
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	བད་གསར་རྩིང་གི་བྱད་པར་སྟོན་པ་དག་ཡིག་ལི་ཤིའི་གུར་ཁང་། brda gsar rnying gi khyad par ston pa dag yig li shi'i gur khang /
Author:	རིན་ཆེན་བཀྲ་ཤིས་ rin chen bkra shis
Descriptor:	Images are converted from Microfilm no. B-10#2, preserved in British Museum, London.
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	[s.l.]
Publisher:	[s.n.]
Date:	[n.d.]
Volume:	1
Total Volumes:	1
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Avenue, Cambridge, MA 02138, USA. Comments: 1/2018

Feb 18

1999 8 14

200

[illegible][illegible]

[Faint handwritten text in Devanagari script]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ཤོག་ངོས་མ་ཚང་།

Page Missing

ཤོག་ངོས་མ་ཚང་།

Page Missing

[illegible]

[illegible]

ཤོག་ངོས་མ་ཚད་།

Page Missing

ཤོག་ངོས་མ་ཚང་།

Page Missing

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

201

विष्णुसहस्रनाम

सुखं विना न संभवति

॥ अथ श्रीपुरुषार्थसूत्रम् ॥

॥ वाङ्मयं धर्मो देवो देवः ॥ वाङ्मयं धर्मो देवः ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

५। ३। १। ६। १३। ३। ३।

पक्षीः पक्षपादः पक्षपादः । पक्षपादः पक्षपादः ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

१५०

पद्मपरमहंसस्य । पद्मपद्मस्य ।
१ १ १ १ १ १ १ १

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

卷之五

美 美 美 美

[illegible]

王為善

王五



1

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten script, possibly Indic or Arabic.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ཤེས་ལུ་མ་ཆང་།

Page Missing

ཤོག་ངོས་མེད་།

Page Missing

[illegible]

[illegible]

Handwritten marginal note on the left side of the manuscript.

Handwritten text in Devanagari script, consisting of multiple lines of prose or verse. The text is densely written and includes various characters and symbols typical of the script.

Handwritten marginal note on the right side of the manuscript.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

201

[illegible][illegible][illegible][illegible]

1. مقدمه
 2. تاریخچه
 3. مبانی
 4. روش‌ها
 5. نتایج
 6. بحث و نتیجه‌گیری
 7. منابع
 8. پیوسته‌ها
 9. فهرست
 10. تذکره
 11. مقدمه
 12. تاریخچه
 13. مبانی
 14. روش‌ها
 15. نتایج
 16. بحث و نتیجه‌گیری
 17. منابع
 18. پیوسته‌ها
 19. فهرست
 20. تذکره

[illegible]

ཤོག་ངོས་མ་ཚང་།

Page Missing

ཤེས་ལུ་མ་ཆང་།

Page Missing

[illegible]

209

॥ अथ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

Handwritten notes in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

सुखदुःखसंश्लेषादुत्पद्यमानं च

कथं परिणतुं स्यात् इति तत्राह

॥ अथ रत्नैः पद्मं ॥ पुद्गल रत्नैः ॥ पुद्गलैः ॥

[illegible]

24
 25
 26
 27
 28
 29
 30
 31
 32
 33
 34
 35
 36
 37
 38
 39
 40
 41
 42
 43
 44
 45
 46
 47
 48
 49
 50
 51
 52
 53
 54
 55
 56
 57
 58
 59
 60
 61
 62
 63
 64
 65
 66
 67
 68
 69
 70
 71
 72
 73
 74
 75
 76
 77
 78
 79
 80
 81
 82
 83
 84
 85
 86
 87
 88
 89
 90
 91
 92
 93
 94
 95
 96
 97
 98
 99
 100
 101
 102
 103
 104
 105
 106
 107
 108
 109
 110
 111
 112
 113
 114
 115
 116
 117
 118
 119
 120
 121
 122
 123
 124
 125
 126
 127
 128
 129
 130
 131
 132
 133
 134
 135
 136
 137
 138
 139
 140
 141
 142
 143
 144
 145
 146
 147
 148
 149
 150
 151
 152
 153
 154
 155
 156
 157
 158
 159
 160
 161
 162
 163
 164
 165
 166
 167
 168
 169
 170
 171
 172
 173
 174
 175
 176
 177
 178
 179
 180
 181
 182
 183
 184
 185
 186
 187
 188
 189
 190
 191
 192
 193
 194
 195
 196
 197
 198
 199
 200
 201
 202
 203
 204
 205
 206
 207
 208
 209
 210
 211
 212
 213
 214
 215
 216
 217
 218
 219
 220
 221
 222
 223
 224
 225
 226
 227
 228
 229
 230
 231
 232
 233
 234
 235
 236
 237
 238
 239
 240
 241
 242
 243
 244
 245
 246
 247
 248
 249
 250
 251
 252
 253
 254
 255
 256
 257
 258
 259
 260
 261
 262
 263
 264
 265
 266
 267
 268
 269
 270
 271
 272
 273
 274
 275
 276
 277
 278
 279
 280
 281
 282
 283
 284
 285
 286
 287
 288
 289
 290
 291
 292
 293
 294
 295
 296
 297
 298
 299
 300
 301
 302
 303
 304
 305
 306
 307
 308
 309
 310
 311
 312
 313
 314
 315
 316
 317
 318
 319
 320
 321
 322
 323
 324
 325
 326
 327
 328
 329
 330
 331
 332
 333
 334
 335
 336
 337
 338
 339
 340
 341
 342
 343
 344
 345
 346
 347
 348
 349
 350
 351
 352
 353
 354
 355
 356
 357
 358
 359
 360
 361
 362
 363
 364
 365
 366
 367
 368
 369
 370
 371
 372
 373
 374
 375
 376
 377
 378
 379
 380
 381
 382
 383
 384
 385
 386
 387
 388
 389
 390
 391
 392
 393
 394
 395
 396
 397
 398
 399
 400
 401
 402
 403
 404
 405
 406
 407
 408
 409
 410
 411
 412
 413
 414
 415
 416
 417
 418
 419
 420
 421
 422
 423
 424
 425
 426
 427
 428
 429
 430
 431
 432
 433
 434
 435
 436
 437
 438
 439
 440
 441
 442
 443
 444
 445
 446
 447
 448
 449
 450
 451
 452
 453
 454
 455
 456
 457
 458
 459
 460
 461
 462
 463
 464
 465
 466
 467
 468
 469
 470
 471
 472
 473
 474
 475
 476
 477
 478
 479
 480
 481
 482
 483
 484
 485
 486
 487
 488
 489
 490
 491
 492
 493
 494
 495
 496
 497
 498
 499
 500
 501
 502
 503
 504
 505
 506
 507
 508
 509
 510
 511
 512
 513
 514
 515
 516
 517
 518
 519
 520
 521
 522
 523
 524
 525
 526
 527
 528
 529
 530
 531
 532
 533
 534
 535
 536
 537
 538
 539
 540
 541
 542
 543
 544

البر - مستحق
مستحق
مستحق
مستحق
مستحق
مستحق
مستحق

[illegible]

عصا
وعدا
مدا
۳۴
ف

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[Faint bleed-through from reverse side]

... ..

1. The first part of the document is a list of names and dates, which appears to be a record of some kind. The names are written in a cursive script, and the dates are in a more formal, printed style. The list is organized into two columns, with names on the left and dates on the right. The names are: John Smith, James Brown, William Jones, and Thomas White. The dates are: 1810, 1811, 1812, and 1813. The list is headed by the word "List" in a large, bold font.

2nd
3rd
4th
5th
6th
7th

१२. शुद्धि कर्मसमाप्ति

[illegible]

॥ दयाकरुणाय नमः ॥

प्राप्त्यन्तुद्वयव्यवस्था।

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

12-11